Title: Need to provide adequate relief work in the drought affected areas of Rajasthan and Guajrat.

श्री सुनील खां (दुर्गापुर) : उपाध्यक्ष महोदय, मेरी पार्टी सीपीआई एम की तरफ से मैं और राज्य सभा के एक सदस्य राजस्थान गए थे। मेरी पार्टी से और दो सांसद गुजरात भी गए थे। 26 और 27 अप्रैल को हम लोगों ने उदयपुर जिला के कुछ अकालग्रस्त क्षेत्रों का दौरा किया था। वहां पर सबसे पहले हम शहर से 25 किलोमीटर दूर हल्दीघाटी रोड पर स्थित सीमालिया किकड़िया गए। वहां हमने सूखे हुए बड़े तालाब देखे। फिर बनास नदी के किनारे से हम उदयपुर से 42 किलोमीटर दूर कठार में अमरचन्द चौटाला परियोजना पर गए जहां से आगे गुनाली होते हुएâ€¦ (व्यवधान) हमें बोलने दीजिए।

MR. DEPUTY-SPEAKER: You have brought this matter before the House. Please conclude now.

श्री सुनील खां : वहां पर क्या हो रहा है? जहां पर राहत का काम चल रहा है वहां पर 34 रुपये दिये जाते हैं जहां गवर्नमेंट को 60 रुपये देने होते हैं। 15 दिन तक उनको कोई पैसा भी नहीं दिया गया। उसको 60 रुपये देने थे और 34 रुपये देते हैं। इस बारे में सोचना चाहिए कि वहां पर क्या हो रहा है। 15 दिन का मस्टर रोल आप देखें तो पाएंगे कि उनको पैसा नहीं मिल रहा है। 15-20 दिन बाद अगर 34 रुपये मिल रहे हैं तो सुबह 10 रुपये मिलते हैं और लंच के बाद 25 रुपये देते हैं। â€¦ (व्यवधान) राहत का पैसा कहां जा रहा है? जो राहत का पैसा देना था 60 रुपये प्रतिदिन, वह 34 रुपये दे रहे हैं। हम सभी जिलों में गए थे। वहां 300 किलोमीटर दूर तक गए थे जहां तक गुजरात का किनारा है। वहां पर भी ऐसा हो रहा है। अगर राहत का काम यह है कि एक आदमी को 15 दिन तक रुपये नहीं मिलेंगे तो कैसी राहत वह दे रहे हैं? इसलिए मैं पूछना चाहता हूं कि यह पैसा किसकी जेब में जा रहा है?

SHRI RAJIV PRATAP RUDY (CHHAPRA): Sir, Shri Sahib Singh will also speak on the same issue. ...(*Interruptions*) He had gone to Rajasthan yesterday. You may please allow him also. ...(*Interruptions*)

श्री साहिब सिंह : मैं कहना चाहता हूं कि हम छः मेम्बर ऑफ पार्लियामेंट राजस्थान के दौरे पर गए थे। राजस्थान के उन क्षेत्रों में गए थे जो बीकानेर और सीमावर्ती जिलों के क्षेत्र थे। हम करीब 300 किलोमीटर इंटीरियर में गए। मैं आपको वास्तविकता से अवगत कराना चाहता हूं कि जो राहत के कार्य होने चाहिए वह वहां नहीं हो रहे हैं। लोगों के पास पीने के लिए पानी नहीं है, पशुओं के लिए चारा नहीं है। हजारों गायें वहां पर मर चुकी हैं और एक दृश्य आप देखेंगे कि एक गाय के पेट में भूसा था और वह बिना पानी के उस सूखे तूड़े के कारण मर गई और जब गाय मर चुकी थी तो जो भूखी गाय थी, वह मरी हुई गाय के पेट में जो तूड़ा था, उसको खा रही थी। यह बड़े अफसोस की बात है। यह बहुत दुख और कट की बात है कि ऐसे दृश्य वहां पर उपस्थित हो रहे हैं। गांवों में रोज़गार नहीं है और 20-20 लोग एक गांव में रह गए हैं जिसकी आबादी 700 थी। लोग पेड़ काटकर बेच रहे हैं। लोगों के पास रोज़ी-रोटी के लिए पैसा नहीं है। लोग भूखे मर रहे हैं। जो चारे की दुकानें खोली गई हैं, वहां पर चारा नहीं मिल रहा है।

â€¦ (व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, राजस्थान में पैसे की कोई कमी नहीं है, लेकिन व्यवस्था ठीक नहीं है। इसलिए मैं आपसे आग्रह करना चाहता हूं कि राजस्थान में सूखाग्रस्त क्षेत्रों में सूखा राहत कार्यों और सहायता हेतु व्यवस्था ठीक की जाए तथा इस वास्ते मैम्बर ऑफ पार्लियामेंट की एक कमेटी बनाई जाए जो वहां के सूखाग्रस्त क्षेत्रों का दौरा करे और उसके बारे में अपनी रिपोर्ट सरकार को दे।â€¦ (व्यवधान)

श्री बसुदेव आचार्य : उपाध्यक्ष जी, हमने गुजरात के चार गांवों का दौरा किया और पाया कि वहां कहीं भी पानी नहीं है। लोगों को पानी पैसों से खरीदना पड़ रहा है। लोग गांव छोड़कर शहरों की ओर जा रहे हैं। यह स्थिति गुजरात के लगभग हर गांव की है। वहां पानी का कोई अरेंजमेंट नहीं है।â€¦ (व्यवधान)

श्री रामदास आठवले : उपाध्यक्ष महोदय, गुजरात के सूखाग्रस्त क्षेत्रों की स्थिति बहुत खराब है। वहां लोगों को पीने के लिए पानी नहीं मिल रहा है। लोग गांव छोड़ कर शहरों की ओर जा रहे हैं। मेरा केन्द्र सरकार से निवेदन है कि वहां पानी की व्यवस्था करे।â€¦ (व्यवधान)